सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक– मनोहर सिंह
ग्राम– लक्ष्मीपुर,
देहरादून।

मैं मूल रूप से पिथौरागढ़ का निवासी हूॅ। मेरे माता–पिता देहरादून में निवास करने लगे तथा उनके द्वारा कुछ कृषि भूमि क्रय की गयी जिस पर हमारे द्वारा गेहूॅ, धान की खेती की जाने लगी, जिससे हमें साल भर में 5–6 हजार रूपये प्रति बीघा की आय प्राप्त होती थी। एक दिन समाचार पत्र में पढ़कर मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन योजनान्तर्गत फूलों के उत्पादन पर विभाग द्वारा राज सहायता दी जा रही है। मेरे द्वारा भी श्री अमरसिंह, जिला उद्यान अधिकारी, देहरादून व श्री दयाशंकर शर्मा, ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक से सम्पर्क किया गया। उन्होंने मुझे उत्पादन हेतु सुझाव दिया। उनकी प्ररेणा से मेरे द्वारा 1000 वर्गमीटर का एक हाइटैक पॉलीहाउस बनवाकर बैंगलौर से जरबेरा पौधें मिलाकर पॉलीहाउस में लगाये। चार माह के बाद मुझे जरबेरा फूलों से आय प्राप्त होने लगी। मुझे एक वर्ष में खर्च काटकर रू0 3.80 लाख प्राप्त हुआ। इसके बाद मेरे द्वारा 5 पॉलीहाउस और बनवाये गये तथा गांव के अन्य कृषकों को भी मेरे साथ पुष्प उत्पादन में जुड़ गये हैं।

इस गांव में 13 पॉलीहाउस बन चुके हैं, जिनमें जरबेरा, गुलाब फूलों का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे ग्राम के 150 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। पुष्प उत्पादन से हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। फूल उत्पादन से प्रतिवर्ष लगभग रू0 65.00 लाख प्राप्त हो रहा है। पर्वतीय क्षेत्र में छोटी–छोटी जोतों को देखते हुए पुष्प उत्पादन अत्यधिक लाभकारी है।

मनोहर सिंह
ग्राम लक्ष्मीपुर
देहरादून